



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 89]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 13, 2010/चैत्र 23, 1932

No. 89]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 13, 2010/CHAITRA 23, 1932

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 13 अप्रैल, 2010

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2010

सं. एलएडी-एनआरओ/जी.एन./2010-11/03/1104.— बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2010 कहा जा सकेगा ।  
(ii) ये विनियम, उसके विनियम 2 के खण्ड (XV) के उप-खण्ड (क) (क) (I) और खण्ड (XVI) के उप-खण्ड (क) (क), (ख) तथा (ग) के सिवाय, राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।  
(iii) इन विनियमों के विनियम 2 के खण्ड (XV) का उप-खण्ड (क) (क) (I) और खण्ड (XVI) के उप-खण्ड (क) (क), (ख) तथा (ग) 1 मई 2010 को प्रवृत्त होंगे ।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 में, -
  - (i) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में, -  
(क) खंड (ग) के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(ग) “एंकर विनिधानकर्ता (निवेशक)” से अर्हित संस्थागत क्रेता अभिप्रेत है जो इन विनियमों के अनुसार बही निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से लाये गये सार्वजनिक निर्गम में दस करोड़ रुपये या उससे अधिक के मूल्य हेतु आवेदन करता है;”

(ख) खंड (ड) के लिए, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(ड) “कर्मचारी” से निर्गमकर्ता का अथवा नियंत्री कंपनी या समनुषंगी कंपनी का अथवा निर्गमकर्ता के उस (उन) तात्त्विक सहयुक्त (सहयुक्तों) जिसके (जिनके) वित्तीय विवरण लेखा मानक 21 के अनुसार निर्गमकर्ता के वित्तीय विवरणों से समेकित हैं, का स्थायी तथा पूर्णकालिक कर्मचारी जो भारत या विदेश में कार्यरत हो अथवा निर्गमकर्ता का निदेशक, चाहे पूर्णकालिक या अंशकालिक, अभिप्रेत है और जिसमें संप्रवर्तक और संप्रवर्तक का सीधा नातेदार (अर्थात् उस व्यक्ति का कोई पति या पत्नी, अथवा उस व्यक्ति का या पति या पत्नी का कोई पिता या माता, भाई, बहिन या संतान) सम्मिलित नहीं है;”

(ग) खंड (यच) में, शब्द और अंक “विनियम 41” के लिए शब्द और अंक “विनियम 42” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(ii) विनियम 8 में, उप-विनियम (1) में, खंड (ड) में, शब्दों “भाग घ” के लिए शब्द “भाग ग” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

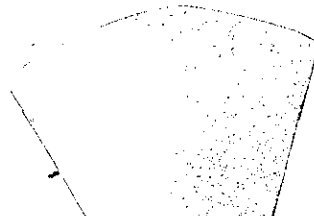
(iii) विनियम 10 में, उप-विनियम (1) में, खंड (छ) में, शब्दों पूर्णकालिक निदेशकों के खिलाफ” के पश्चात् और शब्दों “कोई कारण बताओ सूचनाओं” से पहले शब्द “बोर्ड द्वारा” अंतःस्थापित किये जायेंगे;

(iv) विनियम 13 में, उप-विनियम (2) में, परंतुक में, शब्द और अंक “विनियम 28” के लिए, शब्द और अंक “विनियम 27” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(v) विनियम 26 में, उप-विनियम (5) में, शब्दों “आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव नहीं लायेगा यदि” के पश्चात् तथा शब्दों “कोई बकाया संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियाँ” से पहले शब्द “कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस रजिस्टर करने की तारीख को” अंतःस्थापित किये जायेंगे;

(vi) विनियम 29 में, खंड (क) में, शब्दों “आरक्षण के लिए हकदार” के पश्चात् तथा शब्द “कर्मचारियों” से पहले प्रकट होनेवाले शब्दों “निर्गमकर्ता के” का लोप किया जायेगा;

(vii) विनियम 42 में,-



(क) उप-विनियम (1) में, खंड (क) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(क) कर्मचारी; और नये निर्गमकर्ता के मामले में, व्यक्ति जो संप्रवर्तक कंपनियों के स्थायी तथा पूर्णकालिक नियोजन में हैं, ऐसी कंपनियों के संप्रवर्तकों तथा संप्रवर्तक के सीधे नातेदार को छोड़कर;”

(ख) उप-विनियम (2) में, खंड (क) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(क) कर्मचारी; और नये निर्गमकर्ता के मामले में, व्यक्ति जो संप्रवर्तक कंपनियों के स्थायी तथा पूर्णकालिक नियोजन में हैं, ऐसी कंपनियों के संप्रवर्तकों तथा संप्रवर्तकों के सीधे नातेदारों को छोड़कर;”

(viii) विनियम 46 में, उप-विनियम (1) में, आरंभ में, शब्द “इन विनियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय” अंतःस्थापित किये जायेंगे;

(ix) विनियम 55क में, शब्दों “साधिकार निर्गम के साथ” के पश्चात् तथा शब्दों “कर्मचारियों के लिए आरक्षण” से पहले शब्द “अपने” का लोप किया जायेगा;

(x) विनियम 70 में, खंड (ग) में, परंतुक के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“परंतु यह कि इस अध्याय के अवरुद्धता (लॉक इन) से संबंधित उपबंध खंड (ग) में उल्लिखित इक्विटी शेयरों के अधिमानी निर्गम पर लागू होंगे ।”

(xi) विनियम 98 में, खंड (ड) में, परंतुक के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“परंतु यह कि सार्वजनिक निर्गम में प्रस्तावित होनेवाले भारतीय निक्षेपागार रसीदों का कम से कम तीस प्रतिशत छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को आबंटन के लिए उपलब्ध होगा और छोटे व्यक्तिगत विनिधानकर्ता (निवेशक) संबंधी प्रवर्ग में अल्प-अभिदान के मामले में, जितना अल्प-अभिदान हुआ हो उतने तक को अन्य प्रवर्गों में पूरा करने की अनुज्ञा दी जायेगी । ”

स्पष्टीकरण: इस विनियम के प्रयोजन के लिए, “कर्मचारी” से वह व्यक्ति अभिप्रेत होगा जो, -

(क) भारत का नागरिक है, और

(ख) निर्गमकर्ता का या नियंत्री कंपनी या समनुषंगी कंपनी का या निर्गमकर्ता के तात्त्विक सहयुक्त (सहयुक्तों) जिसके (जिनके) वित्तीय विवरण निर्गमकर्ता के वित्तीय विवरणों से समेकित हैं, का स्थायी और पूर्णकालिक कर्मचारी या निदेशक, चाहे पूर्णकालिक या अंशकालिक, है, जो भारत में कार्यरत है और जिसमें संप्रवर्तक और संप्रवर्तक का सीधा नातेदार (अर्थात् उस व्यक्ति का कोई पति या पत्नी, अथवा व्यक्ति का या पति या पत्नी का कोई पिता या माता, भाई, बहिन या संतान) सम्मिलित नहीं है;”

(Xii) अध्याय X के पश्चात्, निम्नलिखित अध्याय अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

### " अध्याय Xक

### लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का निर्गम

#### लागू होना

106क. (1) निर्गमकर्ता जिसकी निर्गम के पश्चात् की अंकित मूल्य पूंजी दस करोड़ रुपये से अधिक नहीं है इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार अपनी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ निर्गमित करेगा।

(2) वह निर्गमकर्ता भी इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ निर्गमित कर सकेगा, जिसकी निर्गम के पश्चात् की अंकित मूल्य पूंजी दस करोड़ रुपये से अधिक तथा पच्चीस करोड़ रुपये तक है।

(3) इन विनियमों के उपबंध, उन विषयों की बाबत जिनके संबंध में इस अध्याय के अधीन विनिर्दिष्टतः विवेचन नहीं किया गया है या जो इस अध्याय के अधीन विनिर्दिष्टतः अपवर्जित हैं, यथावश्यक परिवर्तन सहित इस अध्याय के अधीन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के किसी निर्गम के प्रति लागू होंगे :

परंतु यह कि इन विनियमों के विनियम 6 के उप-विनियम (1), (2) तथा (3), विनियम 7, विनियम 8, विनियम 9, विनियम 10, विनियम 25, विनियम 26, विनियम 27 तथा विनियम 49 के उप-विनियम (1) के उपबंध इस अध्याय के अधीन लाये गये विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के निर्गम के प्रति लागू नहीं होंगे।

**परिभाषाएँ**

106ख. (1) इस अध्याय में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -

- (क) "मुख्य-बोर्ड" से राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाला मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है, एसएमई एक्सचेंज से भिन्न ;
- (ख) "नामनिर्दिष्ट विनिधानकर्ता" से अर्हित संस्थागत क्रेता या प्राइवेट इक्विटी निधि अभिप्रेत है, जो अल्प-अभिदान के मामले में निर्गम में अभिदान करने के लिए अथवा बाजार निर्माण प्रक्रिया में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ प्राप्त करने या सुपुर्द करने के लिए मर्चेन्ट बैंककार के साथ करार करता है ;

स्पष्टीकरण : "प्राइवेट इक्विटी निधि" से किसी विनियामक प्राधिकरण के पास रजिस्ट्रीकृत निधि या किसी विनियामक प्राधिकरण के पास रजिस्ट्रीकृत किसी व्यक्ति द्वारा स्थापित निधि अभिप्रेत है ;

- (ग) "एसएमई एक्सचेंज" से इस अध्याय के अनुसार निर्गमित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध करने के लिए बोर्ड द्वारा अनुज्ञात राष्ट्रव्यापी व्यापारिक टर्मिनलों वाले मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का व्यापारिक (ट्रेडिंग) प्लेटफॉर्म अभिप्रेत है और जिसके अंतर्गत इस प्रयोजनार्थ मान्यता प्रदत्त स्टॉक एक्सचेंज सम्मिलित है किन्तु जिसमें मुख्य-बोर्ड सम्मिलित नहीं है ;

(2) इस अध्याय में उपयोग किये गये किन्तु उप-विनियम (1) के अधीन अपरिभाषित अन्य सभी शब्दों और पदों का अर्थ इन विनियमों के विनियम 2 से लिया जायेगा ।

**प्रस्ताव दस्तावेज को दाखिल करना और सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र**

106ग. (1) इस अध्याय के अधीन विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का सार्वजनिक निर्गम या साधिकार निर्गम लाने वाला निर्गमकर्ता बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल नहीं करेगा :

परंतु यह कि निर्गमकर्ता मर्चेन्ट बैंककार के माध्यम से बोर्ड के पास प्रस्ताव दस्तावेज की प्रति दाखिल करेगा, एसएमई एक्सचेंज तथा कंपनी रजिस्ट्रार के पास प्रॉस्पेक्टस को या एसएमई एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र को दाखिल किये जाने के साथ-साथ :

परंतु यह और कि बोर्ड प्रस्ताव दस्तावेज पर कोई संप्रेक्षण जारी नहीं करेगा ।

13774(10)-2

(2) मर्चेट बैंककार अनुसूची VI के प्ररूप क के अनुसार सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र, अनुसूची VI के प्ररूप ज में यथा उपबंधित अतिरिक्त पुष्टीकरणों सहित, बोर्ड को प्रस्ताव दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करेगा ।

(3) प्रस्ताव दस्तावेज उप-विनियम (1) के निबंधनों के अनुसार दाखिल किये जाने की तारीख से बोर्ड, निर्गमकर्ता, मर्चेट बैंककार तथा एसएमई एक्सचेंज जहाँ प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं के वेबसाइटों पर प्रदर्शित किया जायेगा ।

### मर्चेट बैंककारों और हामीदारों द्वारा हामीदारी

106घ. (1) इस अध्याय के अधीन लाये गये निर्गम की शत-प्रतिशत हामीदारी की जायेगी ।

**स्पष्टीकरण :** इस विनियम के अधीन हामीदारी प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से पूरे शत-प्रतिशत प्रस्ताव के लिए होगी और जो न्यूनतम अभिदान स्तर तक निर्बंधित नहीं होगी ।

(2) मर्चेट बैंककार अपनी ओर से निर्गम के आकार के कम से कम पंद्रह प्रतिशत की हामीदारी करेगा(करेंगे) ।

(3) निर्गमकर्ता मर्चेट बैंककार के परामर्श से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (हामीदार) विनियम, 1993 के अनुसार हामीदारों की नियुक्ति कर सकेगा और मर्चेट बैंककार नामनिर्दिष्ट विनिधानकर्ता (निवेशक) के साथ करार कर सकेगा, उसमें विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या दर्शाते हुए जिसके लिए वे अल्प-अभिदान के मामले में निर्गम कीमत पर अभिदान करने के लिए सहमत होते हैं ।

(4) यदि अन्य हामीदार अपनी हामीदारी बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहते हैं या अन्य नामनिर्दिष्ट विनिधानकर्ता (निवेशक) उस भाग में जो अभिदत्त न हुआ हो अभिदान करने में असफल रहते हैं, तो मर्चेट बैंककार हामीदारी बाध्यताओं को पूरा करेगा ।

(5) मर्चेट बैंककार से भिन्न हामीदार और नामनिर्दिष्ट विनिधानकर्ता (निवेशक), जिन्होंने अल्प-अभिदान के मामले में निर्गम के प्रति अभिदान करने के लिए करार किया है, इस संबंध में मर्चेट बैंककार के साथ अपने-अपने करारों के अधीन अपनी बाध्यताओं को पूरा करने के सिवाय किसी प्रकार से इस अध्याय के अधीन लाये गये निर्गम में अभिदान नहीं करेंगे ।

(6) मर्चेट बैंककार द्वारा किये गये समस्त हामीदारी तथा अभिदान संबंधी इंतजामों को प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जायेगा ।

(7) मर्चेट बैंककार बोर्ड को यह वचन दाखिल करेगा कि निर्गम की शत-प्रतिशत हामीदारी हो गयी है, हामीदारों तथा नामनिर्दिष्ट विनिधानकर्ताओं की सूची के साथ, उसमें उनके द्वारा की गई हामीदारी या अभिदान संबंधी प्रतिबद्धता के परिमाण को दर्शाते हुए, निर्गम के खुलने से एक दिन पहले ।

### न्यूनतम आवेदन मूल्य

106ड. निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में, विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की संख्या के अनुसार न्यूनतम आवेदन आकार को नियत करेगा जो एक लाख रुपये प्रति आवेदन से कम नहीं होगा ।

### आबंटितियों की न्यूनतम संख्या

106च. कोई भी आबंटन इस अध्याय के अधीन लाये गये किसी आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के अनुसरण में नहीं किया जायेगा, यदि भावी आबंटितियों की संख्या पचास से कम हो ।

### विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता

106छ. (1) इस अध्याय के अनुसार निर्गमित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ एसएमई एक्सचेंज पर सूचीबद्ध की जायेंगी ।

(2) जहाँ कोई सूचीबद्ध निर्गमकर्ता इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ निर्गमित करता है, तो वहाँ यह किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) में पहले ही से सूचीबद्ध विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ एसएमई एक्सचेंज में स्थानांतरित (माइग्रेट) करेगा ।

### एसएमई एक्सचेंज में स्थानांतरण (माइग्रेशन)

106ज. सूचीबद्ध निर्गमकर्ता जिसकी निर्गम के पश्चात् की अंकि मूल्य पूंजी पच्चीस करोड़ रुपये से कम है अपनी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ एसएमई एक्सचेंज में स्थानांतरित कर सकेगा यदि इसके शेयरधारक डाक मतपत्र के माध्यम से इस भाव का विशेष संकल्प पारित करते हुए ऐसे स्थानांतरण को अनुमोदित कर दें और यदि ऐसा निर्गमकर्ता एसएमई एक्सचेंज द्वारा अधिकथित सूचीबद्धता संबंधी पात्रता मानदंड को पूरा कर दे :

परंतु यह कि विशेष संकल्प पर कार्रवाई की जायेगी यदि और केवल यदि प्रस्ताव के पक्ष में संप्रवर्तकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मत प्रस्ताव के खिलाफ संप्रवर्तक शेयरधारकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मतों की संख्या के कम से कम दो गुणा हों।

### मुख्य-बोर्ड में स्थानांतरण

106झ. (1) निर्गमकर्ता, जिसकी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ एसएमई एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं और जिसकी निर्गम के पश्चात् की अंकित मूल्य पूंजी दस करोड़ रुपये से अधिक तथा पच्चीस करोड़ रुपये तक है, अपनी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ मुख्य-बोर्ड में स्थानांतरित कर सकेगा यदि इसके शेयरधारक डाक मतपत्र के माध्यम से इस भाव का विशेष संकल्प पारित करते हुए ऐसे स्थानांतरण को अनुमोदित कर दें और यदि ऐसा निर्गमकर्ता मुख्य-बोर्ड द्वारा अधिकथित सूचीबद्धता संबंधी पात्रता मानदंड को पूरा कर दे :

परंतु यह कि विशेष संकल्प पर कार्रवाई की जायेगी यदि और केवल यदि प्रस्ताव के पक्ष में संप्रवर्तकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मत प्रस्ताव के खिलाफ संप्रवर्तक शेयरधारकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मतों की संख्या के कम से कम दो गुणा हों।

(2) जहाँ ऐसी संभावना है कि एसएमई एक्सचेंज में सूचीबद्ध निर्गमकर्ता की निर्गम के पश्चात् की अंकित मूल्य पूंजी साधिकार निर्गम, अधिमानी निर्गम, बोनस निर्गम आदि के रूप में निर्गमकर्ता द्वारा पूंजी के किसी अतिरिक्त निर्गम के फलस्वरूप पच्चीस करोड़ रुपये से अधिक बढ़ जाये, तो वहाँ निर्गमकर्ता एसएमई एक्सचेंज में सूचीबद्ध अपनी विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को मुख्य-बोर्ड में स्थानांतरित करेगा और मुख्य-बोर्ड में निर्गमित किये जाने के लिए प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता मांगेगा, मुख्य-बोर्ड द्वारा अधिकथित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता संबंधी पात्रता मानदंडों को पूरा किये जाने के अध्यधीन :

परंतु यह कि निर्गमकर्ता द्वारा पूंजी का कोई अतिरिक्त निर्गम नहीं लाया जायेगा जब तक कि -

- (क) निर्गमकर्ता के शेयरधारकों ने डाक मतपत्र के माध्यम से विशेष संकल्प पारित करते हुए स्थानांतरण को अनुमोदित न कर दिया हो, जिसके अंतर्गत प्रस्ताव के पक्ष में संप्रवर्तकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मत प्रस्ताव के खिलाफ संप्रवर्तक शेयरधारकों से भिन्न शेयरधारकों द्वारा डाले गए मतों की संख्या के कम से कम दो गुणा हों ;



(ख) निर्गमकर्ता ने मुख्य-बोर्ड से इस पर अपनी संपूर्ण विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन अभिप्राप्त न कर लिया हो ।

### बाजार निर्माण

106ज. (1) मर्चेट बैंककार, यथास्थिति, एसएमई एक्सचेंज पर इस अध्याय के अधीन निर्गमित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता की तारीख से या विनियम 106ज के निबंधनों के अनुसार मुख्य-बोर्ड से स्थानांतरण की तारीख से तीन वर्षों की न्यूनतम कालावधि के लिए बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में एसएमई एक्सचेंज के स्टॉक दलालों के माध्यम से अनिवार्य बाजार निर्माण को सुनिश्चित करेगा ।

(2) मर्चेट बैंककार एसएमई एक्सचेंज जहाँ विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं द्वारा पूर्व अनुमोदन के अध्याधीन बाजार निर्माण में विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ प्राप्त करने या सुपुर्द करने के लिए नामनिर्दिष्ट विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के साथ करार कर सकेगा ।

(3) निर्गमकर्ता प्रस्ताव दस्तावेज में बाजार निर्माण के इंतजाम के ब्यौरे प्रकट करेगा ।

(4) बाजार निर्माण की प्रक्रिया में खरीदी या बेची जा रही विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ उस नामनिर्दिष्ट विनिधानकर्ता को या से अंतरित की जा सकेंगी जिसके साथ मर्चेट बैंककार ने बाजार निर्माण के लिए करार किया है :

परंतु यह कि बाजार निर्माता की सूची (इनवेंटरी), विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों के आबंटन की तारीख को, एसएमई एक्सचेंज में सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की कम से कम पाँच प्रतिशत होगी ।

(5) बाजार निर्माता एक लॉट में निर्गमकर्ता के शेयरधारक की संपूर्ण शेयरधारिता खरीदेगा, जहाँ ऐसी शेयरधारिता का मूल्य एसएमई एक्सचेंज में व्यापार के लिए अनुज्ञात न्यूनतम संविदा आकार से कम हो :

परंतु यह कि बाजार निर्माता एसएमई एक्सचेंज में व्यापार के लिए अनुज्ञात न्यूनतम संविदा आकार से कम लॉटों में नहीं बेचेगा ।

(6) बाजार निर्माता निर्गमकर्ता के संप्रवर्तकों या संप्रवर्तक समूह से संबंधित व्यक्तियों अथवा किसी व्यक्ति जिसने ऐसे संप्रवर्तक या संप्रवर्तक समूह से संबंधित व्यक्ति से शेयर

अर्जित किये हों से शेयर नहीं खरीदेगा, उप-विनियम (1) के अधीन अधिकथित अनिवार्य बाजार निर्माण कालावधि के दौरान ।

(7) संप्रवर्तकों की धारिता उप-विनियम (1) में विनिर्दिष्ट कालावधि के दौरान इस अध्याय के अधीन बाजार निर्माता को प्रस्ताव करने के लिए पात्र नहीं होगी :

परंतु यह कि संप्रवर्तकों की धारिता जो इन विनियमों के अनुसार रुद्ध नहीं है का व्यापार एसएमई एक्सचेंज की पूर्व अनुज्ञा से किया जा सकता है, बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट प्रकार से ।

(8) निर्गमकर्ता और मर्चेन्ट बैंककार(बैंककारों) के बीच करार के अध्यक्षीन, मर्चेन्ट बैंककार जिसकी(जिनकी) बाजार निर्माण की जिम्मेदारी हो निर्गमकर्ता के बोर्ड में प्रतिनिधित्व कर सकेगा(सकेंगे) । "

(xiii) अनुसूची IV में, -

(क) भाग क में, खण्ड (ख) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

" (ख) साधिकार निर्गम के मामले में :

निर्गम का आकार, अत्याभिदान के आशयित प्रतिधारण सहित	फीस की राशि / दर
दस करोड़ रुपये से कम या के बराबर	पच्चीस हजार रुपये (रु.25,000/-) का सपाट प्रभार ।
दस करोड़ रुपये से अधिक और पाँच सौ करोड़ रुपये से कम या के बराबर	पच्चीस हजार रुपये (रु.25,000/-) तथा दस करोड़ रुपये से अधिक के निर्गम के आकार का 0.005 प्रतिशत।
पाँच सौ करोड़ रुपये से अधिक	पाँच लाख रुपये (रु.5,00,000/-) का सपाट प्रभार ।

(ख) भाग ख में, शब्दों "पैरा 3" के लिए, शब्द "पैरा 2" प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

## (XIV) अनुसूची VI में,-

(क) प्ररूप क में, संदर्भ शीर्षक के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया, अर्थात् :-  
“[विनियम 8(1)(ग), 10(3)(क) और 106ग (2) देखें]”

(ख) प्ररूप घ में, टिप्पणी में, अंकों, कोष्ठक और शब्द “2(ख)” के लिए अंक, कोष्ठक और शब्द “1(ख)” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(ग) प्ररूप छ के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

## “प्ररूप ज

[विनियम 106ग (2) देखें]

एसएमई एक्सचेंज के संबंध में प्रस्ताव दस्तावेज के साथ दिये जानेवाले सम्यक् तत्परता प्रमाणपत्र में मर्चेन्ट बैंककार द्वारा दिया जानेवाला अतिरिक्त पुष्टिकरण / प्रमाणन

- (1) हम पुष्टि करते हैं कि रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गम के मामले में) / प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमतवाले निर्गम के मामले में) / प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) में नामित मध्यवर्तियों में से किसी को भी किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा क्रियाकलाप करने से विवर्जित नहीं किया गया है।
- (2) हम पुष्टि करते हैं कि रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (बही निर्मित निर्गम के मामले में) / प्रॉस्पेक्टस (नियत कीमतवाले निर्गम के मामले में) / प्रस्ताव पत्र (साधिकार निर्गम के मामले में) में निर्गमकर्ता के बारे में सभी तात्विक प्रकटीकरण किये गये हैं और प्रमाणित करते हैं कि इस निर्गम के माध्यम से प्रस्तावित विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता और व्यापार के आरंभ होने तक निर्गमकर्ता में या निर्गम के संबंध में किसी तात्विक उद्घटना को उन सभी समाचारपत्रों में, जिनमें निर्गम-पूर्व विज्ञापन और निर्गम के खुलने या बंद होने का विज्ञापन दिया गया है, सार्वजनिक सूचनाओं / विज्ञापनों के माध्यम से सूचित किया जायेगा।
- (3) हम पुष्टि करते हैं कि संक्षिप्त प्रॉस्पेक्टस / संक्षिप्त प्रस्ताव पत्र में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी निर्गम और प्रकटीकरण) विनियम, 2009 में यथाविनिर्दिष्ट सभी प्रकटीकरण अंतर्विष्ट हैं।
- (4) हम पुष्टि करते हैं कि निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को गैर कागजी रूप देने के लिए निक्षेपागारों के साथ करार किये गये हैं।
- (5) हम प्रमाणित करते हैं कि भारतीय-प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के विनियम 32 के उप-विनियम (4) के प्रथम परंतुक

की अपेक्षाओं के अनुसार, नकदी प्रवाह विवरण तैयार कर लिया गया है और इसे रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस और / या प्रॉस्पेक्टस में प्रकट किया गया है।

- (6) हम पुष्टि करते हैं कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के विनियम 106घ और 106ज की अपेक्षाओं के अनुसार हामीदारी और बाजार निर्माण की व्यवस्था की गयी है।
- (7) हम पुष्टि करते हैं कि निर्गमकर्ता ने कंपनी रजिस्ट्रार के पास रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस / प्रॉस्पेक्टस या एसएमई एक्सचेंज के पास प्रस्ताव पत्र दाखिल करने के महीने से ठीक पहले की तिमाही के अंत तक विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से प्राप्त शिकायतों में से कम से कम पचानवे प्रतिशत शिकायतों को दूर कर दिया है। (केवल बाद वाले सार्वजनिक प्रस्ताव और साधिकार निर्गम के मामले में लागू)

स्थान:  
तारीख:

निर्गम का मर्चेंट बैंककार  
प्राधिकारिक मुद्रा (मुद्राओं) के साथ

(xv) अनुसूची VIII में,-

(क) भाग क में, पैरा (2) में, -

(क) मद (VI) में,-

(I) उप-मद (ख) में, खंड (15) में, उप-खंड (ड) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(ड) हामीदारी करारनामे में प्रत्येक सिंडिकेट सदस्य की भूमिका और बाध्यताएँ सूचीबद्ध की जायेंगी और अन्य बातों के साथ एक खंड अंतर्विष्ट होगा जिसमें बोली के समय विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) द्वारा मार्जिन के रूप में भुगतान किये जानेवाले प्रतिशत का कथन करते हुए यह कथन होगा कि एकत्र मार्जिन सभी प्रवर्गों के लिए एकसमान होगा।

(II) उप-मद (घ) में, खंड (2) में,-

(i) उप-खंड (ज) में, धारा (iv) में, शब्द और अंक “विनियम 32” के पश्चात् शब्द और अंक “और विनियम 33” अंतःस्थापित किये जायेंगे;

(ii) उप-खंड (द) में, धारा (xvii) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“(xviii) कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम में निर्गमित शेयरों की संख्या के ब्यौरे, कीमत जिस पर ऐसे शेयर निर्गमित होते हैं, निम्नलिखित को निर्गमित शेयरों के कर्मचारी के अनुसार ब्यौरे

• वरिष्ठ प्रबंध कार्मिक;

- कोई अन्य कर्मचारी जिसे किसी भी एक वर्ष में उस वर्ष के दौरान जारी शेयरों के 5% या अधिक शेयर जारी किये जाते हैं;
- अभिज्ञात कर्मचारी, जिन्हें किसी एक वर्ष के दौरान, निर्गमन के समय कंपनी की निर्गमित पूँजी के 1% के बराबर या से अधिक शेयर जारी किये गये;

(xix) कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम के अधीन शेयरों को जारी करने के अनुसरण में हलके (डाइल्यूटेड) उपार्जन प्रति शेयर; और शेयरों को जारी करने के प्रति प्राप्त प्रतिफल”

(ख) मद (VIII) में,-

- (i) उप-मद (घ) में, खंड (3) में, उप-खंड (च) का लोप किया जायेगा;
- (ii) उप-मद (ङ) में, खंड (8) में, उप-खंड (ज) में, अंतिम पंक्ति में शब्दों “पर चर्चा की जानी चाहिए” के लिए शब्द “को प्रकट किया जाना चाहिए” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(ग) मद (IX) में,-

- (i) उप-मद (ख) में,-
  - (i) खंड (12) में, उप-खंड (क) में, धारा (V) में चिह्नों और शब्दों “(ग) या (घ)”, के लिए चिह्न और अंक “(iii) या (iv)” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;
  - (ii) खंड (16) में, उप-खंड (ख) में, शब्दों “अन्यों द्वारा” के पश्चात् तथा शब्दों “लिये गये” से पहले शब्द “निर्गमकर्ता से” अंतःस्थापित किये जायेंगे;
- (ii) उप-मद (ग) में, खंड (2) में, परंतुक से पहले निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“यदि कोई सूचीबद्ध कंपनियाँ नहीं हैं, तो व्यापारावर्त के आधार पर पाँच सबसे बड़ी असूचीगत कंपनियों की वित्तीय जानकारी दी जायेगी।”

(घ) मद (XII) में, उप-मद (ख) में, खंड (29) में, उप-खंड (क) में, शब्दों “निर्गम बंद होने की तारीख से” के पश्चात् प्रकट होनेवाले शब्दों “तीस दिनों” के लिए शब्द “पंद्रह दिनों” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(ख) भाग ड में, पैरा (5) में, -

(क) मदों की संख्याएँ (IV), (V), (VI), (VII), (VIII), (IX), (X), (XI), (XII), (XIII), (XIV), (XV), (XVI), (XVII), (XVIII), (XIX), (XX), (XXI),

(XXII), (XXIII), (XXIV), (XXV) और (XXVI), क्रमशः (I), (II), (III), (IV), (V), (VI), (VII), (VIII), (IX), (X), (XI), (XII), (XIII), (XIV), (XV), (XVI), (XVII), (XVIII), (XIX), (XX), (XXI), (XXII) और (XXIII) के रूप में पुनःसंख्यांकित हो जायेंगी ।

(ख) इस प्रकार पुनःसंख्यांकित मद (VI) में, उप-मद (ग) में, खंड (6) में, निम्नलिखित परंतु अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :-

“ परंतु यह कि ऐसी सहभागिता का परिणाम निर्गमकर्ता और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज जहाँ निर्गमकर्ता की विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हों के बीच किये गये सूचीबद्धता करार में नियत न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता अपेक्षाओं का भंग न हो ।”

(ग) भाग च में, पैरा (2) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(2) तथापि, यदि इस अनुसूची के भाग ड में खंड (1) में विनिर्दिष्ट शर्तें पूरी की जाती हैं, तो इस अनुसूची में भाग घ में निम्नलिखित खंडों में विनिर्दिष्ट प्रकटीकरण अपेक्षाएँ, ऐसे निर्गमकर्ता के लिए लागू नहीं होंगी :

- (क) मद II की उप-मद (ख) ;
- (ख) मद III की उप-मद (घ) ;
- (ग) मद V ;
- (घ) मद VI ;
- (ङ) मद VII ;
- (च) मद X ;
- (छ) मद XI ;
- (ज) मद XIV ;
- (झ) मद XV ;
- (ञ) मद XVI”

(xvi) अनुसूची XI में,-

(क) भाग क में,-

(क) पैरा 10 में, खंड (च) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(च) एंकर विनिधानकर्ता (निवेशक) आवेदन पर उसी मार्जिन का भुगतान करेंगे जो विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के अन्य प्रवर्गों द्वारा देय है शेष, यदि कोई हो, का भुगतान निर्गम के बंद होने की तारीख से दो दिनों के भीतर किया जायेगा ।”

(ख) पैरा 11 में, -

- (I) खंड (क) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-  
“(क) एकत्र किया गया मार्जिन विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के सभी प्रवर्गों के लिए एक समान होगा।”
- (II) खंड (ख) का लोप किया जायेगा;

(ग) पैरा 12 में, खंड (झ) के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(झक) निर्गमकर्ता निर्गम के बंद होने से एक दिन पूर्व अर्हित संस्थागत क्रेताओं द्वारा बोली बंद करने का विनिश्चय निम्नलिखित शर्तों के अध्यक्षीन कर सकेगा:

- (i) आवेदकों के सभी प्रवर्गों के लिए न्यूनतम तीन दिनों के लिए बोली खुली रखी जायेगी;
- (ii) निर्गम के बंद होने से एक दिन पूर्व अर्हित संस्थागत क्रेता द्वारा बोली बंद करने के निर्गमकर्ता के विनिश्चय के संबंध में रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में प्रकटीकरण किया जाता है।”

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन-111/4/69 जेड बी/10-असा.]

पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/15/174471 द्वारा, 26 अगस्त 2009 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 तत्पश्चात् :-
  - (क) 11 दिसम्बर 2009 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2009, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/23/186926, द्वारा
  - (ख) 1 जनवरी 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-2010/25/189240, द्वारा

(ग) 8 जनवरी 2010 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2010, सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2009-10/26/190146, द्वारा

संशोधित हुए थे।

## SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 13th April, 2010

**Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements)  
(Third Amendment) Regulations, 2010**

**No. LAD-NRO/GN/2010-11/03/1104.**—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, namely:-

1. (i) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Third Amendment) Regulations, 2010.  
(ii) These regulations, except sub-clause (a) (A) (I) of clause (xv) and sub-clause (a) (A), (B) and (C) of clause (xvi) of regulation 2 thereof, shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.  
(iii) Sub-clause (a) (A) (I) of clause (xv) and sub-clause (a) (A), (B) and (C) of clause (xvi) of regulation 2 of these regulations shall come into force on 1<sup>st</sup> May, 2010.
2. In the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, —
  - (i) in regulation 2, in sub-regulation (1),-
    - (a) in clause (c), after the words “qualified institutional buyer” and before the words “an application for”, the words “who makes” shall be inserted;
    - (b) for clause (m), the following clause shall be inserted, namely:-  
“(m) “employee” means a permanent and full-time employee, working in India or abroad, of the issuer or of the holding company or subsidiary company or of that material associate(s) of the issuer whose financial statements are consolidated with the issuer’s financial statements as per Accounting Standard 21, or a director of the issuer, whether whole time or part time and does not include promoters and an immediate relative of the promoter (i.e., any spouse of that person, or any parent, brother, sister or child of that person or of the spouse);”
    - (c) in clause (zf), for the words “regulation 41”, the words “regulation 42” shall be substituted;
  - (ii) in regulation 8, in sub-regulation (1), in clause (e), for the words “Part D”, the words “Part C” shall be substituted;



- (iii) in regulation 10, in sub-regulation (1), in clause (g), after the words "proceedings initiated" and before the word "or", the words "by the Board" shall be inserted;
- (iv) in regulation 13, in sub-regulation (2), in proviso, for the words "regulation 28", the words "regulation 27" shall be substituted;
- (v) in regulation 26, in sub-regulation (5), after the words "initial public offer if" and before the words "there are any", the words "as on the date of registering the prospectus with the Registrar of Companies" shall be inserted;
- (vi) in regulation 29, in clause (a), the words "of the issuer", appearing after the word "employees" and before the words "entitled for reservation" shall be omitted;
- (vii) in regulation 42,-
  - (a) in sub-regulation (1), for clause (a), the following shall be substituted, namely:-  
 "(a) employees; and in case of a new issuer, persons who are in the permanent and full time employment of the promoting companies excluding the promoters and an immediate relative of the promoter of such companies;"
  - (b) in sub-regulation (2), for clause (a), the following shall be substituted, namely:-  
 "(a) employees; and in case of a new issuer, persons who are in the permanent and full time employment of the promoting companies excluding the promoters and an immediate relative of the promoter of such companies;"
- (viii) in regulation 46, in sub-regulation (1), at the beginning, the words "Except as otherwise provided in these regulations" shall be inserted;
- (ix) in regulation 55A, the word "its", occurring after the words "may make reservation for" and before the words "employees alongwith rights issue" shall be omitted;
- (x) in regulation 70, in clause (c), for the proviso, the following shall be substituted; namely :-

"Provided that the lock-in provisions of this Chapter shall apply to preferential issue of equity shares mentioned in clause (c)."

- (xi) in regulation 98, in clause (e), for the proviso, the following shall be substituted, namely:-  
 "Provided that at least thirty per cent. of the IDRs being offered in the public issue shall be available for allocation to retail individual investors and in case of under subscription in retail individual investor category, spillover to other categories to the extent of under subscription may be permitted."

Explanation: For the purpose of this regulation, "employee" shall mean a person who,-

- (a) is a resident of India, and

1377 4 10-5

- (b) is a permanent and full-time employee or a director, whether whole time or part time, of the issuer or of the holding company or subsidiary company or of the material associate(s) of the issuer, whose financial statements are consolidated with the issuer's financial statements, working in India and does not include promoters and an immediate relative of the promoter (i.e., any spouse of that person, or any parent, brother, sister or child of the person or of the spouse)."

(xii) after CHAPTER X, the following Chapter shall be inserted, namely:-

**"CHAPTER XA**

**ISSUE OF SPECIFIED SECURITIES BY SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES**

**Applicability.**

**106A.** (1) An issuer whose post-issue face value capital does not exceed ten crore rupees shall issue its specified securities in accordance with provisions of this Chapter.

(2) An issuer, whose post issue face value capital is more than ten crore rupees and upto twenty five crore rupees, may also issue specified securities in accordance with provisions of this Chapter.

(3) The provisions of these regulations, in respect of the matters not specifically dealt or excluded under this Chapter, shall *mutatis mutandis* apply to any issue of specified securities under this Chapter:

Provided that provisions of sub-regulations (1), (2) and (3) of regulation 6, regulation 7, regulation 8, regulation 9, regulation 10, regulation 25, regulation 26, regulation 27 and sub-regulation (1) of regulation 49 of these regulations shall not apply to an issue of specified securities made under this Chapter.

**Definitions.**

**106B.** (1) In this Chapter, unless the context otherwise requires, -

- (a) "Main Board" means a recognized stock exchange having nationwide trading terminals, other than SME exchange;
- (b) "nominated investor" means a qualified institutional buyer or private equity fund, who enters into an agreement with the merchant banker to subscribe to the issue in case of under-subscription or to receive or deliver the specified securities in the market-making process;

Explanation: "private equity fund" means a fund registered with any regulatory authority or a fund established by any person registered with any regulatory authority;

- (c) "SME exchange" means a trading platform of a recognised stock exchange having nationwide trading terminals permitted by the Board to list the specified securities issued in accordance with this Chapter and includes a stock exchange granted recognition for this purpose but does not include the Main Board;

(2) All other words and expression used in this Chapter but not defined under sub-regulation (1) shall derive their meaning from regulation 2 of these regulations.

#### **Filing of offer document and due diligence certificate.**

**106C.** (1) The issuer making a public issue or rights issue of specified securities under this Chapter shall not file the draft offer document with the Board:

Provided that the issuer shall file a copy of the offer document with the Board through a merchant banker, simultaneously with the filing of the prospectus with the SME exchange and the Registrar of Companies or letter of offer with the SME Exchange;

Provided further that the Board shall not issue any observation on the offer document.

(2) The merchant banker shall submit a due-diligence certificate as per Form A of Schedule VI including additional confirmations as provided in Form H of Schedule VI alongwith the offer document to the Board.

(3) The offer document shall be displayed from the date of filing in terms of sub-regulation (1) on the websites of the Board, the issuer, the merchant banker and the SME exchange where the specified securities offered through the offer document are proposed to be listed.

#### **Underwriting by merchant bankers and underwriters.**

**106D.** (1) The issue made under this Chapter shall be hundred per cent. underwritten.

**Explanation:** The underwriting under this regulation shall be for the entire hundred percent of the offer through offer document and shall not be restricted upto the minimum subscription level.

(2) The merchant banker/s shall underwrite at least fifteen per cent of the issue size on his/ their own account/s.

(3) The issuer in consultation with merchant banker may appoint underwriters in accordance with Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993 and the merchant banker may enter into an agreement with nominated investor indicating therein the number of specified securities which they agree to subscribe at issue price in case of under-subscription.

(4) If other underwriters fail to fulfill their underwriting obligations or other nominated investors fail to subscribe to unsubscribed portion, the merchant banker shall fulfill the underwriting obligations.

(5) The underwriters other than the merchant banker and the nominated investors, who have entered into an agreement for subscribing to the issue in case of under-subscription, shall not subscribe to the issue made under this Chapter in any manner except for fulfilling their obligations under their respective agreements with the merchant banker in this regard.

(6) All the underwriting and subscription arrangements made by the merchant banker shall be disclosed in the offer document.

(7) The merchant banker shall file an undertaking to the Board that the issue has been hundred per cent. underwritten along with the list of underwriters and nominated investors indicating the extent of underwriting or subscription commitment made by them, one day before the opening of issue.

#### **Minimum Application Value.**

**106E.** The issuer shall stipulate in the offer document, the minimum application size in terms of number of specified securities which shall not be less than one lakh rupees per application.

#### **Minimum Number of Allottees.**

**106F.** No allotment shall be made pursuant to any initial public offer made under this Chapter, if the number of prospective allottees is less than fifty.

#### **Listing of specified securities.**

**106G.** (1) Specified securities issued in accordance with this Chapter shall be listed on SME exchange.

(2) Where any listed issuer issues specified securities in accordance with provisions of this Chapter it shall migrate the specified securities already listed on any recognized stock exchange/s to the SME exchange.

#### **Migration to SME exchange.**

**106H.** A listed issuer whose post-issue face value capital is less than twenty five crore rupees may migrate its specified securities to SME exchange if its shareholders approve such migration by passing a special resolution through postal ballot to this effect and if such issuer fulfils the eligibility criteria for listing laid down by the SME exchange:

Provided that the special resolution shall be acted upon if and only if the votes cast by shareholders other than promoters in favour of the proposal amount to at least two times the number of votes cast by shareholders other than promoter shareholders against the proposal.

#### **Migration to Main Board.**

**106I.** (1) An issuer, whose specified securities are listed on a SME Exchange and whose post issue face value capital is more than ten crore rupees and upto twenty five crore rupees, may migrate its specified securities to Main Board if its shareholders approve such migration by passing a special resolution through postal ballot to this effect and if such issuer fulfils the eligibility criteria for listing laid down by the Main Board:

Provided that the special resolution shall be acted upon if and only if the votes cast by shareholders other than promoters in favour of the proposal amount to at least two times the number of votes cast by shareholders other than promoter shareholders against the proposal.

(2) Where the post issue face value capital of an issuer listed on SME exchange is likely to increase beyond twenty five crore rupees by virtue of any further issue of capital by the issuer by way of rights issue, preferential issue, bonus issue, etc. the issuer shall migrate its specified securities listed on SME exchange to Main Board and seek listing of specified securities proposed to be issued on the Main Board subject to the fulfilment of the eligibility criteria for listing of specified securities laid down by the Main Board:

Provided that no further issue of capital by the issuer shall be made unless –

- (a) the shareholders of the issuer have approved the migration by passing a special resolution through postal ballot wherein the votes cast by shareholders other than promoters in favour of the proposal amount to at least two times the number of votes cast by shareholders other than promoter shareholders against the proposal;
- (b) the issuer has obtained in-principle approval from the Main Board for listing of its entire specified securities on it.

### **Market Making.**

**106J.** (1) The merchant banker shall ensure compulsory market making through the stock brokers of SME exchange in the manner specified by the Board for a minimum period of three years from the date of listing of specified securities issued under this Chapter on SME exchange or from the date of migration from Main Board in terms of regulation 106H, as the case may be.

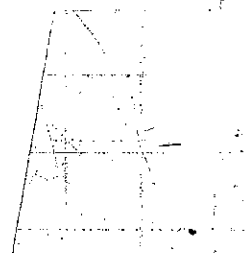
(2) The merchant banker may enter into agreement with nominated investors for receiving or delivering the specified securities in the market making subject to the prior approval by the SME exchange where the specified securities are proposed to be listed.

(3) The issuer shall disclose the details of arrangement of market making in the offer document.

(4) The specified securities being bought or sold in the process of market making may be transferred to or from the nominated investor with whom the merchant banker has entered into an agreement for the market making:

Provided that the inventory of the market maker, as on the date of allotment of the specified securities, shall be at least five per cent. of the specified securities proposed to be listed on SME exchange.

137748/10-6



(5) The market maker shall buy the entire shareholding of a shareholder of the issuer in one lot, where value of such shareholding is less than the minimum contract size allowed for trading on the SME exchange:

Provided that market maker shall not sell in lots less than the minimum contract size allowed for trading on the SME exchange.

(6) Market maker shall not buy the shares from the promoters or persons belonging to promoter group of the issuer or any person who has acquired shares from such promoter or person belonging to promoter group, during the compulsory market making period laid down under sub-regulation (1).

(7) The promoters' holding shall not be eligible for offering to the market maker under this Chapter during the period specified in sub-regulation (1):

Provided that the promoters' holding which is not locked-in as per these regulations can be traded with prior permission of the SME exchange, in the manner specified by the Board.

(8) Subject to the agreement between the issuer and the merchant banker/s, the merchant banker/s who have the responsibility of market making may be represented on the board of the issuer."

(xiii) in Schedule IV,-

(a) in Part A, for clause (b), the following shall be substituted, namely:-

**"(b) In case of a rights issue:**

Size of the issue, including intended retention of oversubscription	Amount / Rate of fees
Less than or equal to ten crore rupees.	A flat charge of twenty five thousand rupees (Rs.25,000/-).
More than ten crore rupees and less than or equal to five hundred crore rupees.	Twenty five thousand rupees (Rs. 25,000/-) plus 0.005 per cent. of the issue size in excess of ten crore rupees.
More than five hundred crore rupees.	A flat charge of five lakh rupees (Rs.5,00,000/-).

"

(b) in Part B, for the words "Para 3", the words "Para 2" shall be substituted.

(xiv) In Schedule VI,-

- (a) in Form A, for reference title, the following shall be substituted, namely:-  
**"[See regulations 8(1)(c), 10(3)(a) and 106C(2)]"**
- (b) in Form D, in the note, for the figure, bracket and word "2(b)", the figure, bracket and word "1(b)" shall be substituted;
- (c) after Form G, the following form shall be inserted, namely:-

**"FORM H**

[See regulation 106C(2)]

**ADDITIONAL CONFIRMATIONS/ CERTIFICATION TO BE GIVEN BY  
 MERCHANT BANKER IN DUE DILIGENCE CERTIFICATE TO BE GIVEN  
 ALONG WITH OFFER DOCUMENT REGARDING SME EXCHANGE**

- (1) We confirm that none of the intermediaries named in the red herring prospectus (in case of a book built issue) / prospectus (in case of a fixed price issue) / letter of offer (in case of a rights issue) have been debarred from functioning by any regulatory authority.
- (2) We confirm that all the material disclosures in respect of the issuer have been made in the red herring prospectus (in case of a book built issue) / prospectus (in case of a fixed price issue) / letter of offer (in case of a rights issue) and certify that any material development in the issuer or relating to the issue up to the commencement of listing and trading of the specified securities offered through this issue shall be informed through public notices/ advertisements in all those newspapers in which pre-issue advertisement and advertisement for opening or closure of the issue have been given.
- (3) We confirm that the abridged prospectus/ abridged letter of offer contains all the disclosures as specified in the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009.
- (4) We confirm that agreements have been entered into with the depositories for dematerialisation of the specified securities of the issuer.
- (5) We certify that as per the requirements of first proviso to sub-regulation (4) of regulation 32 of Securities and Exchange board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009, cash flow statement has been prepared and disclosed in the red herring prospectus and / or prospectus.
- (6) We confirm that underwriting and market making arrangements as per requirements of regulation 106D and 106 J of the Securities and Exchange board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 have been made.
- (7) We confirm that the issuer has redressed at least ninety five per cent. of the complaints received from the investors till the end of the quarter immediately preceding the month of the filing of the red herring prospectus / prospectus with the Registrar of Companies or letter of offer with SME exchange. (Applicable only in case of Further public offer and rights issue)

**Place:**

**Date:**

**Merchant Banker(s) to the Issue  
 with Official Seal(s)"**

1377 90/10-7

(xv) in Schedule VIII,-

(a) in Part A, in Para (2), -

(A) in item (VI),-

(I) in sub-item (B), in clause (15), for sub-clause (e), the following shall be substituted, namely:-

“(e) The underwriting agreement shall list out the role and obligations of each syndicate member and *inter-alia* contain a clause stating that margin collected shall be uniform across all categories indicating the percentage to be paid as margin by the investor at the time of bidding.”

(II) in sub-item (D), in clause (2),-

(i) in sub-clause (i), in section (ii), after the words “regulation 2”, the bracket “)” shall be inserted;

(ii) in sub-clause (j), in section (iv), after the words “regulation 32”, the words “and regulation 33” shall be inserted;

(iii) in sub-clause (r), after section (xvii), the following shall be inserted, namely:-

“(xviii) the details of the number of shares issued in ESPS, the price at which such shares are issued, employee-wise details of the shares issued to

- senior managerial personnel;
- any other employee who is issued shares in any one year amounting to 5% or more shares issued during that year;
- identified employees who were issued shares during any one year equal to or exceeding 1% of the issued capital of the company at the time of issuance;

(xix) diluted Earning Per Share (EPS) pursuant to issuance of shares under ESPS; and consideration received against the issuance of shares.”

(B) in item (VIII),-

(I) in sub-item (D), in clause (3), sub-clause (f) shall be omitted;

(II) in sub-item (E), in clause (8), in sub-clause (j), for the word “discussed” appearing at the end, the word “disclosed” shall be substituted;

(C) in item (IX),-

(I) in sub-item (B),-

(i) in clause (12), in sub-clause (a), in section (v), for the mark and words “(c) or (d)”, the mark and words “(iii) or (iv)” shall be substituted;

(ii) in clause (16), in sub-clause (b), after the words “loan taken” and before the words “by the promoters”, the words “from the issuer” shall be inserted;

(II) in sub-item (C), in clause (2), before the proviso the following paragraph shall be inserted, namely:-



“In case there are no listed group companies, the financial information shall be given for the five largest unlisted group companies based on turnover.”

(D) in item (XI), in sub-item (I), for the words “letter of offer”, the words “offer document” shall be substituted;

(E) in item (XII), in sub-item (B), in clause (29), in sub-clause (a), for the words “thirty days” appearing after the words “from the date of the closure” the words “fifteen days” shall be substituted;

(b) in Part C, in para (2),-

(A) brackets and letter “(e)” shall be omitted;

(B) item (f) shall be renumbered as “(e)”;

(c) in Part E, in Para (5), in item (VI), in sub-item (C), in clause (6), the following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided that such participation shall not result in breach of minimum public shareholding requirement stipulated in the equity listing agreement entered into between the issuer and the recognized stock exchanges where the specified securities of the issuer are listed.”

(d) in Part F, for para (2), the following shall be substituted, namely:-

“(2) However, if the conditions specified in clause (1) in Part E of this Schedule are satisfied, the disclosure requirements specified in the following clauses in Part D of this Schedule, shall not be applicable to such issuer:

(a) Sub-item (B) of item II ;

(b) Sub-item (D) of item III;

(c) Item V;

(d) Item VI;

(e) Item VII ;

(f) Item X;

(g) Item XI;

(h) Item XIV;

(i) Item XV;

(j) Item XVI.”

(xvi) in Schedule XI,-

(a) in Part A,-

(A) in para 10, for clause (f), the following shall be substituted, namely:-

“(f) Anchor Investors shall pay on application the same margin which is payable by other categories of investors the balance, if any, shall be paid within two days of the date of closure of the issue.”

(B) in para 11, -

(I) for clause (a), the following shall be substituted, namely:-

“(a) The margin collected shall be uniform across all categories of investors.”

(II) clause (b) shall be omitted;

(C) in para 12, after clause (i), the following shall be inserted, namely:-

“(ia) The issuer may decide to close the bidding by qualified institutional buyers one day prior to the closure of the issue subject to the following conditions:

(i) bidding shall be kept open for a minimum of three days for all categories of applicants;

(ii) disclosures are made in the red herring prospectus regarding the issuer's decision to close the bidding by qualified institutional buyers one day prior to closure of issue.”

(b) in Part C, in the heading, for the word “INSTUTIONAL”, the word “INSTITUTIONAL” shall be substituted.

C. B. BHAVE, Chairman

[ADVT. III/4/69ZB/10-Exty.]

**Footnote:**

1. The SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 were published in the Gazette of India on 26<sup>th</sup> August, 2009 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/15/174471.
2. The SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 were subsequently amended on:-
  - (a) 11<sup>th</sup> December, 2009 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2009 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/23/186926.
  - (b) 1<sup>st</sup> January, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2009-2010/25/189240.
  - (c) 8<sup>th</sup> January, 2010 by Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Second Amendment) Regulations, 2010 vide No. LAD-NRO/GN/2009-10/26/190146.